वर्ष-8 | अंक 34 | 15 अप्रैल से 21 अप्रैल 2024 तक | पृष्ठ-12 | MPHIN/2015/63623

न्यूज क्राइम फाइल

आमंत्रण मुल्य 15/-

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

डॉ. भीमराव आंबेडकर की 133वीं जयंती

सीएम मोहन यादव बोले- कांग्रेस ने आंबेडकर के खिलाफ साजिश की

उदय प्रताप सिंह चौहान

बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 133वीं जयंती राजधानी भोपाल में उत्साह से मनाई जा रही है। बोर्ड ऑफिस चौराहे और बौद्ध विहारों सहित अनेक स्थानों पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने रविवार को बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर बोर्ड ऑफिस चौराहे पर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मंत्री विश्वास सारंग, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, विधायक रामेश्वर शर्मा, महापौर मालती राय, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष व भोपाल लोकसभा प्रत्याशी आलोक शर्मा सहित कई नेता मौजूद थे।

कांग्रेस ने आंबेडकर से धोखा किया-सीएम

प्रदेश भाजपा कार्यालय में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, कांग्रेस ने आंबेडकर के खिलाफ साजिश की। उन्हें चुनाव हराने का प्रयास तत्कालीन प्रधानमंत्री ने किया। आंबेडकर के जीते जी और उनके जाने के बाद भी कांग्रेस ने उनका अपमान किया। इंदिराजी ने कदम-कदम पर संविधान में संशोधन कर अपमान किया। संविधान की मूल भावना को बदलने का काम कांग्रेस ने किया। सीएम मोहन यादव ने कहा कि बीजेपी आंबेडकर की भावनाओं को समझती है। जो 60 साल में नहीं हो सका वह पीएम मोदी ने 10 साल में करके दिखाया है। संविधान की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार अपने काम कर रही है।

शनिवार रात से शुरू हो गए कार्यक्रम

आंबेडकर जयंती मैदान तुलसी नगर समेत शहर के दर्जनभर स्थानों से मोमबत्ती रैलियां निकाली गईं, जो विभिन्न इलाकों से होते हुए बोर्ड ऑफिस चौराहा स्थित डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर पहुंचीं। रात 12ः 20 बजे यहां रंगारंग आतिशबाजी की गई। वहीं गुरुदेव गुप्त चौराहे के पास बच्चों द्वारा डांस फ्लैश मॉब किया गया। मूवमेंट 21 संगठन द्वारा गीतों, नृत्य नाटिका का आयोजन किया गया। यहां लोगों ने बाबा साहेब अमर रहे, जिंदाबाद के जयघोष के बीच उनकी मान-वंदना कर मोमबतियां जलाईं और श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर यहां बनाए गए मंचों से बाबा साहेब की प्रतिष्ठा और मान के लिए रचे गए भीम गीत गूंज रहे थे।

बुद्धभूमि महाविहार में हुए कार्यक्रम

चूना भट्टी स्थित बुद्धभूमि महाविहार मॉनेस्ट्री में डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर को पुष्प अर्पित किए गए। दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके बाद त्रिशरण पंचशील प्रदान किया गया। नीले गुलाल के साथ सामूहिक अर्चना कर आतिशबाजी की गई।

बोर्ड ऑफिस चौराहे पर हो रहा मुख्य कार्यक्रम

बाबा साहेब की जयंती के अवसर पर रविवार को बोर्ड ऑफिस चौराहे पर 150 से अधिक रैलियां पहुंचेंगी। ये कोलार, अन्ना नगर, पंचशील नगर, बागसेवनिया ओम नगर करोंद सहित विभिन्न इलाकों से निकलेंगी।

बोर्ड ऑफिस चौराहे के आसपास ट्रैफिक डायवर्सन

■डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती पर रविवार को विभिन्न संगठनों द्वारा बोर्ड ऑफिस चौराहा स्थित आंबेडकर प्रतिमा स्थल पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसलिए ट्रैफिक व्यवस्था में परिवर्तन किया गया है।

■होशंगाबाद से आईएसबीटी, पिपलानी की ओर जाने वाले वाहन आरआरएल तिराहा, बीएसएनएल तिराहा, शक्ति नगर चौराहा, डीआरएम ऑफिस, कस्तूरबा हॉस्पिटल होकर आईएसबीटी एवं पिपलानी की ओर जा सकेंगे।

■मानसरोवर कॉम्प्लेक्स से कोर्ट जाने वाले वाहन 6 नंबर स्टॉप, व्यापमं चौराहा, शौर्य स्मारक होते हुए कोर्ट की ओर जा सकेंगे।

■कोर्ट चौराहे से मानसरोवर कॉम्प्लेक्स की ओर जाने वाले वाहन शौर्य स्मारक, व्यापमं चौराहा, 6 नंबर स्टॉप होते हुए मानसरोवर की जा सकेंगे।

■न्यू मार्केट से ज्योति टॉकीज आईएसबीटी जाने वाले वाहन व्यापमं चौराहा, शौर्य स्मारक, वल्लभ भवन रोटरी, डीबी मॉल रोटरी, होटल रेसीडेंसी होकर ज्योति टॉकीज होते हुए आईएसबीटी जा सकेंगे।

■पुलिस की अपील... परिवर्तित मार्ग का उपयोग करें। हेल्पलाइन नंबर 0755-2677340, 2443850 पर संपर्क करें।

अब तक 1.24 करोड़ की अवैध शराब-नकद जब्त; अब दिन-रात होगी चेकिंग

चुनाव में एक्टिव मोड में टीमें

संजीव कुमार

लोकसभा चुनाव के चलते पुलिस और जिला प्रशासन की टीमें एक्टिव मोड में है। आचार संहिता लगने के बाद अब 1.24 करोड़ रुपए की अवैध शराब और नकद राशि जब्त की जा चुकी है। इनमें 57 लाख की अवैध शराब और 59 लाख रुपए की नकदी भी शामिल हैं। नॉमिनेशन की प्रोसेस शुरू होते ही अब शहर के 21 पाइंट और 5 जिलों की 21 सीमाओं पर भी कड़ी चेकिंग शुरू हो गई है। दिन-रात टीमें अवैध शराब या ब्लैक मनी ले जाने वालों पर नजर रखेगी। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि अब तक 59 लाख 74 हजार रुपए नकद राशि, 57 लाख 59 हजार 855 रुपए कीमत की अवैध शराब और 6 लाख 18 हजार रुपए कीमत के अन्य नशीले पदार्थ भी जब्त किए गए हैं। जिला प्रशासन की टीमें, पुलिस और आबकारी विभाग ने यह कार्रवाई की है। आचार संहिता तक यह कार्रवाई जारी रहेगी।

कलेक्टर बोले- बिना वजह नहीं रोका जाएगा

50 हजार रुपए या उससे अधिक नकदी लेकर चलने वालों पर टीमों की नजर रहेगी। ऐसे में अगर आपके पास नकदी का हिसाब-किताब नहीं है, तो टीम उसे जब्त कर लेगी। इसके बाद नोटिस के जवाब में संबंधित को तय समय सीमा में हिसाब-किताब देना होगा। यानी यह पैसा कहां से आया और कहां ले

जाया जा रहा था। उस पैसे का सोर्स सबूतों के साथ बताना जरूरी होगा। सोना और चांदी के जेवर भी बिल के साथ रखना होगा। कलेक्टर सिंह ने बताया, बैंक के पैसे का निराकरण मौके पर ही करने के निर्देश दिए गए हैं। बैंक या उससे जुड़े लोगों को बिना वजह नहीं रोकने को कहा गया है।

इसलिए कार्रवाई

■नॉमिनेशन की प्रोसेस शुक्रवार से शुरू हो गई। इसके साथ ही टीमें एक्टिव मोड में आ गई है। अब भोपाल से जुड़े 5 जिले- रायसेन, विदिशा, सीहोर, राजगढ़ और गुना जिलों की 19 सीमाओं पर भी टीमें तैनात रहेंगी।

■चुनाव के दौरान बड़ी मात्रा में ब्लैक मनी का उपयोग होने की आशंका रहती है। इस कारण इस दौरान नकदी पर ज्यादा नजर रखी जाएगी।

■अफसरों का कहना है कि चुनाव आयोग द्वारा लोगों को नकदी ले जाने या रखने से रोका नहीं गया है, उन्हें बस चैकिंग करने उसकी पूरी जानकारी उपलब्ध करना होता है। इससे जहां रुपयों के सोर्स का पता चलता है, वहीं राशि कहां खर्च होने वाली है, उसकी जानकारी भी मिलती है।

6 शहरी और 13 ग्रामीण सीमाएं

भोपाल से 5 जिलों की 19 सीमाएं लगती हैं। इनमें 6 सीमाएं शहरी क्षेत्र में हैं, जबकि 13 ग्रामीण क्षेत्रों में लगती हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान इन सीमाओं पर सुरक्षा व्यवस्था और चेकिंग के लिए जिला प्रशासन ने पुलिस के साथ प्लान तैयार किया है। इस प्लान पर अब अमल भी किया जाने लगा है। टीमें तैनात हो गई हैं।

शहर से ये सीमाएं जुड़ी

टोल नाके के पास बायपास तिराहा
हिनोतिया बीएसएफ रोड
फंदा टोल नाका खजूरी सड़क
गोल जोड़
रातीबड़ चौराहा
11 मील चौराहा मिसरोद

ग्रामीण क्षेत्रों में ये सीमाएं

परवलिया सड़क थाने के सामने
सोराहा से आगे बैरसिया
विदिशा रोड बैरसिया
रामपुर बालाचोन
जूना पानी
कलारा
ग्राम उनिदा
सूरजपुरा जोड़
पार्वती पुल मेंगरा नवीन
बीलखों
डय्यन
बिलखिरिया पेट्रोल पंप के सामने
ग्राम देहरी

अपहरण और रेप के आरोपी को पुलिस ने पकड़ा

शादी से इनकार करने पर महिला को बंधक बनाकर किया था दुष्कर्म

न्यूज क्राइम फाइल

महिला ने शादी से जब इनकार किया तो युवक ने उसका अपहरण कर बंधक बनाकर किया दुष्कर्म किया, आरोपी द्वारा महिला को भोपाल से नर्मदापुरम ले जाकर एक महीने तक बंधक बनाकर रखा गया था। अयोध्या नगर पुलिस ने अपहरण एवं दुष्कर्म के आरोपी को 12 घंटे में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार महिला के मौका देखकर आरोपी के चंगुल से बचकर निकलने के बाद से ही आरोपी ठिकाने बदल बदल कर रह रहा था । आरोपी को नर्मदापुरम, हरदा एवं सिवनी के विभिन्न ठिकानों मे दबिश देते हुए पकड़ा है।

इस तरह हुई थी मुलाकात

पीड़िता के द्वारा अयोध्या नगर थाने में शिकायत की कि आरोपी गिरीश झारे के द्वारा उसका रेप किया गया और बंधक बनाकर रखा। उसने बताया कि गिरीश से उसकी मुलाकात आरोपी कुटुम्ब शादी एप के माध्यम से हुई थी । इस दौरान दोनों के मध्य मोबाइल के जरिए बातचीत प्रारंभ हो गई आरोपी पीडिता से मिलने भोपाल आया था, इस मुलाकात के दौरान पीड़िता को आरोपी का आचरण ठीक नही लगा, जिससे पीड़िता ने आरोपी से शादी करने से मना कर दिया।

फिर किया अपहरण

इस बात से नाराज होकर गिरिश झारे द्वारा युवती को किराये की कार मे भावना नगर थाना अयोध्या नगर से अपहरण कर किराये के मकान नारायण नगर नर्मदापुरम् ले जाकर हाथ मुक्को से मारपीट करते हुए जबरदस्ती बलात्कार कर एक माह तक बंधक बना कर रखा गया पीड़िता मौका पाते ही आरोपी गिरिश झारे के चंगुल से बच कर फरार हो गई। जिसके बाद थाना प्रभारी अयोध्या नगर के नेतृत्व मे गठित टीम द्वारा आरोपी गिरिश झारे के नर्मदापुरम्, हरदा, सिवनी स्थित विभिन्न ठिकानो पर दबिश देकर आरोपी एवं घटना मे प्रयुक्त वाहन जप्त करने मे सफलता हासिल की है । इस पूरे ऑपरेशन में पुलिस में निरीक्षक महेश लिल्हारे , सुदील कुमार देशमुख ,सचिन बेडरे धर्मेन्द्र गुर्जर, मनोज जाट , आनंद कुशवाहा , प्रदीप दामले , राघवेन्द्र पटेल, रोशनी जैन की सराहनीय भूमिका रही।

जेल में पूरी रात करवटें बदलते रहे सुनील कुमार

आरजीपीवी के पूर्व कुलपति जेल के खंड अ में कैद; सुबह लाइन में लगकर लिया नाश्ता

न्यूज क्राइम फाइल

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति सुनील कुमार को केंद्रीय जेल में खंड अ में रखा गया है। सुनील कुमार को शुक्रवार शाम करीब 7.30 बजे मेडिकल जांच के बाद जेल दाखिल किया गया है। सूत्रों के मुताबिक पूर्व कुलपति सुनील कुमार शुक्रवार रात सोए नहीं। बैरक में दाखिल होने के बाद वह करीब 2 घंटे तक गुमसुम से बैठे रहे। इतना ही नहीं रात में उन्होंने पूरी नींद नहीं ली। रातभर बैरक में करवट बदलते रहे। शनिवार सुबह की दिनचर्या जेल मैनुअल के तहत शुरू की। जेल सुप्रिटेंडेंट ने बताया कि सुनील कुमार को जेल के अ खंड विचाराधीन बंदी वार्ड में रखा गया है। सामान्य कैदियों की तरह जेल मैनुअल के हिसाब से डाइट दी जा रही है। उनका मेडिकल कराया गया है। बता दें, सुनील कुमार को 11 अप्रैल को गांधी नगर पुलिस ने छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित डीडी नगर से गिरफ्तार किया है। उन पर विश्वविद्यालय के 19.48 करोड़ रुपए की गड़बड़ी का आरोप है।

सुबह नाश्ते में दलिया खाया

पूर्व कुलपति सुनील कुमार ने जेल में शनिवार सुबह नाश्ते में दलिया खाया। दोपहर के खाने में उन्हें पांच रोटी, दाल, चावल और सब्जी दी गई। जेल अफसरों के मुताबिक उन्होंने नाश्ता और खाना दूसरे विचाराधीन बंदियों की तरह लाइन में खड़े होकर जेल से दिए गए बर्तनों में लिया।

मेडिकल परीक्षण के बाद बंदी रजिस्टर में हुई एंट्री

स्टूडेंट्स की फीस से राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अकाउंट में जमा हुए 19.48 करोड़ रुपए प्राइवेट अकाउंट में ट्रांसफर किए जाने के मामले में शुक्रवार शाम केंद्रीय जेल में पहुंचे सुनील कुमार को शनिवार दोपहर को मेडिकल परीक्षण किया गया। इसके बाद जेल के बंदी रजिस्टर में सुनील कुमार का नाम की एंट्री की गई।

सुनील कुमार से वकील सहित 4 लोग कर सकेंगे मुलाकात

पूर्व कुलपति सुनील कुमार से केंद्रीय जेल में वकील सहित 4 लोग मिल सकेंगे। शनिवार को जेल नियमावली के तहत सुनील कुमार से मुलाकातियों के नामों की सूची मांगी गई थी। इस पर सुनील कुमार ने वकील और परिवार के तीन सदस्यों के नाम मुलाकाती लिस्ट में दर्ज कराए हैं।

पूर्व कुलपति समेत 4 आरोपी अरेस्ट

इस मामले में अब तब चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। जिनमें पूर्व कुलपति सुनील कुमार, आरबीएल बैंक के तत्कालीन ब्रांच मैनेजर कुमार मयंक, एक्सिस बैंक पिपरिया के तत्कालीन ब्रांच मैनेजर रामकुमार रघुवंशी और दलित संघ सोहागपुर के सहसचिव सुनील रघुवंशी शामिल हैं। जबकि तत्कालीन रजिस्टार आरएस राजपूत और रिटायर्ड फाइनेंस कंट्रोलर ऋषिकेश वर्मा की तलाश जारी है। इसके अलावा दलित संघ सोहागपुर के सचिव रतन उमरे और कोषाध्यक्ष अशोक चौरसिया की भी पुलिस को तलाश है। पुलिस दोनों से यूनिवर्सिटी से संघ के खाते में आए 9.50 करोड़ रुपए के संबंध में पूछताछ करेगी।

बिहार के एसपी के गनमैन ने शादी का झांसा देकर भोपाल में युवती से किया दुष्कर्म, आरोपी पर 1000 रुपए का इनाम

न्यूज क्राइम फाइल

सोशल मीडिया पर एक युवती से मुलाकात के बाद शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण करने वाले बिहार एसपी के गनमैन के खिलाफ जहांगीराबाद पुलिस ने दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। आरोपी पिछले डेढ़ महीने से फरार है। उसकी गिरफ्तारी पर डीसीपी जोन-1 ने 1000 रुपए का इनाम घोषित किया है। जहांगीराबाद पुलिस के मुताबिक 27 वर्षीय युवती की वर्ष 2022 में फेसबुक पर रजनीश कुमार नामक युवक से पहचान हुई थी। रजनीश ग्राम कल्याणपुरा जिला आरा (बिहार) का रहने वाला है। रजनीश ने युवती को अपना मोबाइल नंबर दिया था। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई थी। रजनीश ने युवती को बताया था कि वह बिहार पुलिस में आरक्षक है। जल्द ही सरकारी काम से भोपाल आने वाला है। उसने पीएचक्यू के पास मिलने को बोला था। रजनीश 22 सितंबर 2022 को भोपाल आया और एमवीएम परिसर के पास युवती को बुलाया। वहीं, पास के पार्क में दोनों साथ रहे। इस बीच रजनीश ने जबरदस्ती युवती के साथ गलत काम किया। इसके बाद रजनीश भोपाल आता-जाता रहा और युवती का शारीरिक शोषण किया। उसने युवती को अपने दोस्तों से मिलाने जमुई, बिहार बुलाया था। उसने एसपी ऑफिस के पास एक होटल में युवती को अप्रैल 2023 में पांच दिन ठहराया था। इस साल जनवरी में भी रजनीश ने युवती को जमुई बुलाकर होटल में ठहराया और शारीरिक शोषण किया। उसने फरवरी में शादी का आश्वासन दिया। फरवरी में वह बोला कि उसकी दूसरी जगह शादी हो रही है। अब कॉल मत करना। उसने जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने रजनीश कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। उसके बारे में जानकारी मिली है कि वह जिला जमुई एसपी का गनमैन है। पुलिस पहुंची तब तक फरार हो चुका था... पुलिस का कहना है कि जब टीम आरोपी की गिरफ्तारी के लिए जमुई पहुंची तो रजनीश वहां से फरार हो गया। उस पर डीसीपी जोन-01 प्रियंका शुक्ला ने 1000 रुपए का ईनाम घोषित किया है। जहांगीराबाद पुलिस ने एसपी जमुई को रजनीश कुमार के अपराध के संबंध में सूचना दी है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के दो और मामले...इनमें भी आरोपी फरार हैं

पिपलानी पुलिस के मुताबिक आनंद नगर में रहने वाली छात्रा प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रही है। उसके गांव का एक युवक प्रवीण शाह उसके साथ कॉलेज में पढ़ता है। उसने युवती से शादी का वादा किया और पिछले कई महीनों से उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। जब आरोपी युवक ने शादी करने से इनकार कर दिया, तब युवती ने इसकी शिकायत पिपलानी पुलिस में की। आरोपी युवक अभी फरार है। इधर, एमपी नगर पुलिस के मुताबिक शिवाजी नगर निवासी 30 वर्षीय युवती से उसके पारिवारिक मित्र भीम सिंह ने दुष्कर्म किया। युवती ने पुलिस को बताया कि भीम सिंह पिछले चार साल से उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। दोनों के परिवारों के बीच शादी की बात भी पिछले एक साल से चल रही थी, अंत में युवक ने शादी से इनकार कर दिया। जिसके बाद इस मामले की शिकायत पुलिस के पास पहुंची, पुलिस के अनुसार आरोपी युवक अभी फरार है।

चुनाव में व्यक्ति नहीं, मूल्यों की स्थापना का दौर चले

लोकसभा चुनावों की सरगर्मियां उग्र से उग्रतर होती जा रही है, पहली बार भ्रष्टाचार चुनावी मुद्दा बन रहा है, कुछ भ्रष्टाचार मिटाने की बात कर रहे हैं तो कुछ भ्रष्टाचारियों को बचाने की बात कर रहे हैं। मुसलमान वोटों की राजनीति करने वाले दल अपने घोषणा पत्रों में उनके कल्याण की कोई बात ही नहीं कर रहे हैं, मुसलमानों का सशक्तीकरण करने की बचाय उनके तुष्टीकरण को प्राथमिकता दी जा रही है। कुछ दल देश-विकास की बात कर रहे हैं तो कुछ दल विकास योजनाओं की छिछालेदार कर रहे हैं। किसी भी दल के चुनावी मुद्दे में पर्यावरण विकास की बात नहीं हैं। व्यक्ति नहीं, मूल्यों की स्थापना के स्वर कहीं भी सुनाई नहीं दे रहे हैं। सत्ता और स्वार्थ ने अपनी आकांक्षी योजनाओं को पूर्णता देने में नैतिक कायरता दिखाई है। केजरीवाल जेल से सरकार चलाने की बात करके नैतिक एवं राजनीतिक मूल्यों के आन्दोलन से सरकार बनाने के सच को ही बदनुमा बना दिया है। इसकी वजह से लोगों में विश्वास इस कदर उठ गया कि चौराहे पर खड़े आदमी को सही रास्ता दिखाने वाला भी झूठा-सा लगता है। आंखें उस चेहरे पर सचाई की साक्षी ढूंढती हैं। समस्याओं से लड़ने के लिये हमारी तैयारी पूरे मन से होनी चाहिए। लोकतंत्र के महापर्व पर समझना चाहिए कि हमने जीने का सही अर्थ ही खो दिया है। यद्यपि बहुत कुछ उपलब्ध हुआ है। कितने ही नए रास्ते बने हैं। फिर भी किन्हीं दृष्टियों से हम भटक रहे हैं। भौतिक समृद्धि बटोरकर भी न जाने कितनी रिक्तताओं की पीड़ा सही है। गरीब अभाव से तड़पा है, अमीर अतृप्ति से। कहीं अतिभाव, कहीं अभाव। जीवन-वैषम्य कहां बांट पाया अपनों के बीच अपनापन। अट्टालिकाएं खड़ी हो रही हैं, बस्तियां बस रही हैं मगर आदमी उजड़ता जा रहा है। पूरे देश में मानवीय मूल्यों का ह्रास, राजनीति अपराध, भ्रष्टाचार, कालेधन की गर्मी, लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन, अन्याय, शोषण, संग्रह, झूठ, चोरी जैसे-अनैतिक अपराध पनपे हैं। धर्म, जाति, राजनीति-सत्ता और प्रांत के नाम पर नए संदर्भों में समस्याओं ने पंख फैलाये हैं। हर बार के चुनावों की तरह इस बार भी आप, हम सभी अपने आपको जीवन से जुड़ी अंतहीन समस्याओं के कटघरे में खड़ा पा रहे हैं। कहा नहीं जा सकता कि जनता की अदालत में कहां, कौन दोषी है? पर यह चिंतनीय प्रश्न अवश्य है हम इतने उदासीन एवं लापरवाह कैसे हो गये कि राजनीति को इतना आपराधिक होने दिया? जब आपके द्वार की सीढ़ियां मैली हैं तो अपने पड़ौसी की छत पर गन्दगी का उलाहना मत दीजिए। कोई भी अच्छी शुरूआत सबसे पहले स्वयं की की जानी जरूरी है। देश के लोकतंत्र को हांकने वाले लोग इतने बदहवास होकर निर्लज्जतापूर्ण कारनामे करेंगे, इसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। चौराहे पर खड़ा आदमी सब कुछ देख रहा है। उसे कुछ सूझ नहीं रहा कि वह कौन सी राह पकड़े। आम आदमी सरकार ने शराब-शिक्षा में घोटाले किए, दागी चिन्हित भी हुए लेकिन आप सरकार ने भ्रष्टाचार को लेकर दोहरे मापदंड अपना लिए। अपनों द्वारा किया गया भ्रष्टाचार कोई भ्रष्टाचार नहीं, राबर्ट वाड्रा के खिलाफ कुछ नजर नहीं आता और वे चुनाव लड़ने की बात करते हैं। बात केवल कांग्रेस की ही नहीं है, बात राजनीतिक आदर्शों की हैं। जिसकी वकालत करते हुए कभी अन्ना हजारे तो कभी बाबा रामदेव, कभी केजरीवाल तो कभी श्री रविशंकरजी जन-आन्दोलन की अगवाई करते देते थे, अब ना तो ऐसे आन्दोलन होते हैं न ही उन पर विश्वास रहा। हमारे भीतर नीति और निष्ठा के साथ गहरी जागृति की जरूरत है। नीतियां सिर्फ शब्दों में हो और निष्ठा पर संदेह की परतें पड़ने लगें तो भला उपलब्धियों का आंकड़ा वजनदार कैसे होगा? बिना जागती आंखों के सुरक्षा की साक्षी भी कैसी! एक वफादार चौकीदार अच्छा सपना देखने पर भी इसलिए मालिक द्वारा तत्काल हटा दिया जाता है कि पहरेदारी में सपनों का खयाल चोरी को खुला आमंत्रण है। भाजपा जो हमेशा राजनीतिक शुचिता की बात करती रही, उसकी शुचिता कहां है? कितने दागी एवं अपराधी नेताओं को उसने अपने दल में जगह ही नहीं दी, टिकट तक दे दिया। हो सकता है 400 के बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिये भाजपा की कुछ मजबूरियां हो। कमल तो खिलेगा ही, लेकिन उस खिलाहट में मजबूरियों के नाम पर मूल्यों के साथ समझौता नहीं होता तो यह लोकतंत्र को स्वस्थ बनाने का एक अनूठा उदाहरण होता। श्रीमती इन्दिरा गांधी ने कभी कहा था कि व्यक्ति को अपने जन्म से नहीं बल्कि कर्म से पहचाना जाना चाहिए, यह वाक्य उनके पोते राहुल गांधी पर भी लागू हो रहा है। वे तमाम सुखों एवं सुविधाओं में पले-बढ़े और उन्होंने जीवन में कोई संघर्ष नहीं किया या ये कहें कि जीवन के लिए संघर्ष करने की उनके सामने कोई नौबत नहीं आई। कहते हैं- जा के पैर न परी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई। जब आप लोगों की पीड़ा को उसी भाव से महसूस नहीं कर पाते तो दूसरों को आपकी बात पर भरोसा नहीं हो पाता। इस भरोसे को पाने के लिए उस पीड़ा को पहले खुद भुगतना होता है। यही वजह है कि राहुल गांधी सच्ची और ठीक बात कहते हैं तब भी लोग उसे उस सच्चाई के साथ, उस भाव में अंगीकार नहीं कर पाते। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों का मौजूदा यह आचरण स्वीकार्य नहीं। पूरा राजनीतिक वातावरण ही हास्यास्पद हो चुका है।

सम्पादकीय

क्या गाजियाबाद के भगवा किले पर फहराएगा तिरंगा?

देश की राजधानी नई दिल्ली से सटी औद्योगिक नगरी गाजियाबाद में लोकसभा चुनाव धीरे-धीरे जोर पकड़ रहा है। आम चुनाव 2024 के तहत यहां दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होगा, इसलिए पक्ष-विपक्ष के बीच राजनीतिक तपिश बढ़ती जा रही है। यहां की मुख्य चुनावी लड़ाई एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी अतुल गर्ग और इंडिया गठबंधन की कांग्रेस-सपा-आप प्रत्याशी डॉली शर्मा के बीच होगी। हालांकि दलित और क्षत्रिय वोटों के सहारे बसपा प्रत्याशी नंद किशोर पुंडीर इस लड़ाई को त्रिकोणात्मक बनाने में सफल हो जाएंगे। यदि ऐसा हुआ तो सियासी ऊंट किस करवट बैठेगा, कुछ कहा नहीं जा सकता। पहला फैक्टर है- शहरी बनाम ग्रामीण। आमतौर गाजियाबाद महानगर के शहरी इलाकों में जहां भाजपा की पैठ मजबूत है, वहीं ग्रामीण इलाकों में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की पकड़ मजबूत है। वर्तमान में सपा कांग्रेस की सहयोगी पार्टी है। जबकि बसपा की पैठ शहरी/ग्रामीण दोनों इलाकों के जातिविशेष में है। बता दें कि गाजियाबाद की 70 प्रतिशत आबादी शहरों में और 30 प्रतिशत आबादी गांवों में निवास करती है। इस मामले में कांग्रेस पर भाजपा भारी पड़ सकती है। दूसरा फैक्टर है- जातीय समीकरण। जो किसी एक प्रत्याशी के पक्ष में विरले ही जाता है। एक आंकड़े के मुताबिक, कुल 29 लाख 38 हजार 845 मतदाताओं वाली इस सीट पर सर्वाधिक 18 प्रतिशत ब्राह्मण, 15 प्रतिशत मुस्लिम, 14 प्रतिशत ठाकुर, 12 प्रतिशत गुर्जर, 10 प्रतिशत वैश्य, 16 प्रतिशत वंचित और 15 प्रतिशत अन्य मतदाता हैं। चूंकि भाजपा ने वैश्य, कांग्रेस ने ब्राह्मण और बसपा ने क्षत्रिय प्रत्याशी उतारे हैं। ये तीनों जाति भाजपा की हार्ड कोर समर्थक मानी जाती है। शायद इसलिए भी कांग्रेस और बसपा ने उसी में सेंध लगाने की पहल की है। हालांकि, जातीय समीकरण भी अभी भाजपा के पक्ष में है क्योंकि उसने दलित, पिछड़े व पसमांदा मुसलमानों को जोड़ने की पहल शिद्दत पूर्वक की है, जबकि कांग्रेस इसे तोड़ने के लिए तरह-तरह के प्रयोग/उपाय कर रही है। लिहाजा, यहां भी भाजपा का पलड़ा कांग्रेस पर भारी है। राजनीतिक विश्लेषकों की राय है कि पिछले 2 लोकसभा चुनावों से काँग्रेस के वोट बैंक में भाजपा सेंध लगा चुकी है, जिसे वापस पाना अब भी कांग्रेस के लिए बहुत बड़ी चुनौती बनी हुई है। क्योंकि गरीबी हटाओ के नारे पर हिंदुत्व भारी पड़ चुका है। क्षद्म धर्मनिरपेक्षता पर राष्ट्रवाद हावी होकर बोल रहा है। वहीं, जातिविशेष पर बसपा की पकड़ से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। इसलिए मौजूदा चुनावी लड़ाई दिलचस्प मोड़ लेती जा रही है।

दिल्ली के एडवोकेट को ठगने वाले पांचवीं-आठवीं फेल

खुद को बताया साजिश का शिकार, कहा- नौकरी दिलाने लिए थे दस्तावेज

न्यूज क्राइम फाइल

दिल्ली के एडवोकेट से 70 हजार रुपए की ठगी के आरोप में भोपाल के 4 युवकों को गिरफ्तार किया है। इन्हें साइबर ठगी गिरोह का सदस्य बताया गया। इनमें से एक सिक्योरिटी गार्ड और तीन दिहाड़ी मजदूर हैं। 2 पांचवीं-आठवीं फेल हैं, एक 12वीं कक्षा तक पढ़ा है। 2 आरोपी तो स्मार्ट फोन का इस्तेमाल तक नहीं करते। मामला सामने आने के बाद आरोपी और परिजनों से बात की, जिसमें उन्होंने चौंकाने वाली बातें बताई हैं। दावा किया है कि सभी से नौकरी दिलाने के नाम पर दस्तावेज लिए गए। इन दस्तावेजों से खाते खुलवाए गए। इन खातों का इस्तेमाल ठगी में किया गया। जमानत मिलने के बाद शनिवार को आरोपी भोपाल लौट आए हैं।

सबसे पहले जानिए कौन हैं चारों आरोपी

रिटायर्ड एसआई का बेटा है आरोपी सुधीर: पहला आरोपी सुधीर पाल (39) है। वह शांति नगर बरखेड़ा पठानी का रहने वाला है। वह मंडीदीप की एक कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। पिछले कुछ समय से बेरोजगार है। वह 12वीं कक्षा तक पढ़ा है। उसके पिता वीरेंद्र पाल भोपाल पुलिस के रिटायर्ड एसआई हैं। सुधीर की मां गिरिजा का कहना है कि बेटे के दोस्त मनोज ने मेट्रो प्रोजेक्ट में नौकरी लगवाने के नाम पर दस्तावेज लिए थे। इन दस्तावेजों के आधार पर एक सिम ली गई, और बैंक अकाउंट का मिसयूज किया गया। 10 अप्रैल को दिल्ली पुलिस की टीम घर आई थी, और सुधीर को साथ ले गई। बताया कि बेटे ने कोई साइबर फ्रॉड किया है। शुक्रवार को उसको जमानत दे गई। शनिवार की सुबह वह घर भी आ गया। आने के बाद कुछ ही देर घर में रहा और कहीं चला गया। बेटा स्मार्टफोन तक नहीं इस्तेमाल करता था। वह क्या साइबर ठगी करेगा। उसके पास कीपैड वाला मोबाइल फोन है। मनोज की ही वजह से वह इस केस में फंसा है। मनोज कहां रहता है, मुझे नहीं मालूम लेकिन बेटे ने बताया था कि नौकरी के लालच में उसे ही दस्तावेज दिए थे। उसी ने फर्जी तरीके से खाता खुलवाया, इस कारण मेरा बेटा फंस गया। हालांकि, कई बार कहने पर भी गिरिजा ने सुधीर का मोबाइल नंबर नहीं दिया।

■स्मार्ट फोन चलाना तक नहीं जानता है- दूसरा आरोपी कुंजीलाल अहिरवार (40) है। बी सेक्टर पिपलानी स्थित झुग्गी में रहकर दिहाड़ी मजदूरी करता है। पत्नी गीता बाई अहिरवार ने बताया कि 9 अप्रैल की शाम दो पुलिस वाले घर आए थे। उन्होंने पति से कुछ देर बात की, और 10 तारीख को दिल्ली ले गए। बताया कि पति ने किसी के साथ फोन पर ठगी की है। हम गरीब लोग हैं, पति मजदूरी करते हैं। पति आठवीं कक्षा तक पढ़े हैं, स्मार्ट फोन तक सही नहीं चलाना आता। सिर्फ कॉल लगाने और थोड़ा बहुत वाट्सऐप इस्तेमाल करना जानते हैं। वह कैसे इस तरह की ठगी कर सकते हैं। गीता ने पति का फोन नंबर दिया। तब कुंजीलाल अहिरवार ने बताया कि उसी के मोहल्ले में आकाश साहू नाम का युवक रहता है। उसने दस्तावेज मेट्रो प्रोजेक्ट में चौकीदारी की नौकरी लगवाने के नाम पर लिए थे। बाद में एक योजना के तहत खाता खुलवाने का झांसा दिया। खाता ओपन कराने के बाद एटीएम और पासबुक उसी ने रख ली थी। इस खाते का क्या दुरुपयोग किया गया, मुझे नहीं पता। पुलिस ने बताया था कि आपको गवाह बनाया जाएगा। आपकी गलती नहीं है, यही बताकर दिल्ली तक ले गए। मुझे नहीं पता, मैं इस केस में आरोपी हूं...पुलिस ने बताया है कि अगले साल आकर केस में गवाही देना होगी।

■नौकरी की लालच में दिए दस्तावेज: तीसरा आरोपी माया सिंह (28) है। वह कुंजीलाल अहिरवार के पड़ोस में रहता है। उसे भी पुलिस साथ ले गई थी। जमानत पर उसे भी छोड़ दिया है। माया मजदूरी करता है। 5वीं कक्षा तक पढ़ा है, उसके दस्तावेज भी आकाश साहू ने लिए थे। केस का चौथा आरोपी रवि कुशवाह 27 प्रीत नगर छोला में रहता है।

अब जानिए फरियादी ने अपनी शिकायत में क्या बताया

दिल्ली के रोहिणी में रहने वाले एडवोकेट दीपक गुप्ता ने अपनी शिकायत में बताया- 7 मार्च 2024 को मुझे +92 3077237001 (पाकिस्तान) से वॉट्सऐप कॉल किया गया। कॉल करने वाले ने खुद का नाम विजय कुमार बताया। कहा- मैं दिल्ली के सदर थाने से बात कर रहा हूं। हमने अभिमन्यु और उसके तीन दोस्तों को हिरासत में लिया है। सभी के खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज थी। बातचीत के दौरान अभिमन्यु को रिहा करने के लिए 70 हजार रुपए की मांग की गई। साथ ही संबंधित रकम फोन नंबर 8435ऽऽऽ45ऽ पर यूपीआई करने के लिए कहा गया। कॉल करने वाले को जब मैंने बेटे अभिमन्यु से बात कराने का कहा तो उन्होंने मिलती-जुलती आवाज फोन पर ही सुनवाई। इसके बाद मैंने उनके बताए गए फोन नंबर 8435ऽऽऽ45ऽ पर दो बार 20-20 हजार रुपए भेजे, और बेटे को छोड़ने के लिए कहा। लेकिन वे 30 हजार रुपए और मांगते रहे। आखिरकार उन्हें दो बार में 24 हजार और 6 हजार रुपए सेंड किए। जैसे ही उनके पास 70 हजार रुपए भेजे गए। वे ढाई लाख रुपए और मांगने लगे। तब मैंने कहा कि मेरे पर इतने रुपए नहीं है। लेकिन, वे अपनी मांग पर अड़े रहे। तभी मुझे लगा कि मेरे साथ फ्रॉड हुआ। मैं पुलिस स्टेशन पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441

संजीव कुमार (ब्यूरो प्रभारी भोपाल) 08224965455

email: newscrimefile@yahoo.com

दलालों के एजेंट ने रिजर्वेशन कराने आए शख्स को पीटा

भोपाल जीआरपी ने नहीं लिखी एफआईआर, पीड़ित ने लगाया संरक्षण का आरोप

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के मुख्य रेलवे स्टेशन स्थित रिजर्वेशन बिल्डिंग के बाहर दलालों के एजेंट ने एक शख्स की पिटाई कर दी। पीड़ित ने घटना की शिकायत पुलिस से की है। पीड़ित अजमल खान ने बताया कि रविवार सुबह रिजर्वेशन बिल्डिंग के गेट पर दलालों के एजेंट ने उनके साथ मारपीट की है। अजमल ने दलाल और उनके एजेंट्स पर पुलिस सरंक्षण का आरोप लगाया है।

आरोपियों को दस मिनट में छोड़ दिया

फरियादी अजमल खान ने बताया कि रेलवे का रिजर्वेशन काउंटर सुबह आठ बजे खुलता है। वे रविवार सुबह 5.30 बजे ही मैन गेटे के बाहर लाइन में लग गेट के सामने बैठ गए। कुछ देर बाद ही आमिर नाम का व्यक्ति अपने चार-पांच साथियों के साथ आया। उसने मुझसे गेट से हटने कहा। मेरे मना करन पर मेरे साथ जान से मारने की धमकी देते हुए अभ्रदता की। जब मैंने विरोध किया तो उसने मुझे धक्का दे दिया। मैंने इसकी शिकायत जीआरपी और आरपीएफ से की। पुलिस ने पांच में से दो आरोपियों को तुरंत पकड़ तो लिया लेकिन 10 मिनट बाद छोड़ भी दिया। वे रिजर्वेशन काउंटर पर आकर मुझे फिर धमकाने लगे।

रोजाना लाइन में जगह घेरते हैं दलाल

अजमल खान ने बताया कि वह लोग दलालों के लोग हैं। हर दिन ये काउंटर खुलने से पहले ही बड़ी संख्या में लाइन में लग जाते हैं। इनके पास कोई फॉर्म भी नहीं होता है। बीच-बीच में लाइन में लगे लोगों को कोई दूसरा फॉर्म देकर चला जाता है।

आरपीएफ ने कहा

ऐसी सूचना आई थी हमने इसमें मामला दर्ज किया है, सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, आरोपियों को छोड़ नहीं जाएगा, शिनाख्त करके उन पर कार्रवाई की जाएगी।

प्रशांत यादव, आरपीएफ कमांडेंट

जीएसटी टीम ने भोपाल में सीमेंट, सरिया कारोबारियों के यहां की छापेमारी

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के बैरागढ़ और रत्नागिरी क्षेत्र में जीएसटी की टीम ने सीमेंट-सरिया कारोबारियों के ठिकानों पर छापे मारे। इसमें बैरागढ़ क्षेत्र की 2 दुकानें लक्ष्मी ट्रेडर्स व इंडिया सेल्स शामिल हैं। एक अन्य कारोबारी रत्नागिरी क्षेत्र का है जिसका जय भोले ट्रेडर्स के नाम पर कारोबार है। शनिवार को स्टेट जीएसटी की अलग-अलग टीमों ने एक साथ यह कार्रवाई शुरू की, जो एक दो दिन और चलेगी। जीएसटी की टीम बैरागढ़ क्षेत्र में सीहोर नाके पर अशोक पारवानी की लक्ष्मी टेडर्स नाम से संचालित दुकान पर पहुंची। दुकान बंद मिलने पर टीम उनके घर पहुंच गई। यहां से दस्तावेज जब्त किए। इसके बाद उन्हें दुकान पर लाया गया। टीम ने यहां भी दस्तावेज खंगाले।

भोपाल में देसी शराब तस्कर के घर पुलिस की दबिश

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल की शाहजानाबाद पुलिस ने देशी शराब तस्कर के घर दबिश दी। मौके से एक आरोपी सहित 73.440 लीटर शराब जब्त की गई है। जब्त शराब की कीमत 26.520 हजार रुपए बताई जा रही है। आरोपी के खिलाफ आबकाारी के एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। एसआई पवन सेन ने बताया कि वाजपेयी नगर झुग्गी सरकारी स्कूल के पास ईदगाह हिल्स में लगातार देसी सफेद रंग की शराब की तस्करी की सूचना मिल रही थी। शनिवार की देर रात भी यहां घर से शराब तस्करी की सूचना मिली। सूचना के बाद टीम बनाकर मौके पर दबिश दी। जहां से रोहित रोकड़े पिता सोमवार रोकड़े को भारी मात्रा में अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी अपने मकान नंबर ए-08 जी-08 मल्टी वाजपेयी नगर ईदगाह हिल्स शाहजहाँनाबाद से इस शराब को अवैध रूप से बेचने का काम करता था।

निगरानी गुंडा है आरोपी

एसआई का कहना है कि आरोपी के कब्जे से 73.440 लीटर अवैध देशी शराब जब्त की है। जिसकी कीमत करीब 26.520 हजार रुपए है। इस शराब को जप्त कर अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। रोहित इलाके का पुराना बदमाश है।

फोटो कैप्शन

बाबा साहेब अमर रहे के नारे लगाते सीएम मोहन यादव, पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान एवं वीडी शर्मा।

लखनऊ के मयंक 1-2 मैच और नहीं खेल पाएंगे

कप्तान राहुल बोले- पेसर के पेट में खिंचाव, हम नहीं चाहते जल्दबाजी में वापसी करें

न्यूज क्राइम फाइल

आईपीएल के 17 वें सीजन में शुक्रवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव चोट की वजह से मैच नहीं खेल सके। मैच के बाद लखनऊ के कप्तान केएल राहुल ने तेज गेंदबाज मयंक यादव के चोट को लेकर अपडेट देते हुए कहा कि मयंक की चोट उतनी गहरी नहीं है। वो ठीक हैं, लेकिन हम नहीं चाहते कि वो जल्दबाजी में मैदान पर वापसी करें। वो युवा हैं और हमें उनका ध्यान रखना है। वो मैच खेलने के लिए बेकरार हैं, लेकिन हमें उन्हें रोकना पड़ रहा है। हो सकता है कि वो एक-दो मैच और नहीं खेले।

गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में हो गए थे चोटिल

मयंक यादव गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपने इस सीजन के तीसरे मैच में केवल एक ओवर ही गेंदबाजी कर पाए थे और उसके बाद पेट में खिंचाव की वजह से मैदान से बाहर चले गए थे और फिर उन्होंने मैच में गेंदबाजी नहीं

की थी।

पंजाब किंग्स के खिलाफ किंग्स के खिलाफ मैच में किया था डेब्यू

मयंक ने आईपीएल के इस सीजन में लखनऊ सुपर जांयट्स की ओर से डेब्यू किया था। वे अब तक इस सीजन में केवल 3 ही मैच खेल पाए हैं। उन्होंने अपने तीन ही मैच से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। वे आईपीएल के इस सीजन में सबसे तेज गेंद फेंकने वाले गेंदबाज भी बन गए हैं। वह 3 मैचों में 6 की इकोनॉमी रेट से 6 विकेट ले चुके हैं। मयंक ने इस सीजन पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल में डेब्यू किया और 150 किमी प्रति घंटे की स्पीड को आसानी से पार कर लिया। उन्होंने अपने दूसरे आईपीएल मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 14 रन देकर तीन विकेट लिए और 156.7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी भी की, जो इस सीजन की सबसे तेज गेंद है। मयंक ने पिछले मैच में पंजाब की टीम के खिलाफ फेंकी गई 155.8 गेंद के अपने रिकॉर्ड को बेहतर किया। मयंक पंजाब और बेंगलुरु दोनों के खिलाफ मैच में प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे। वे लीग के इतिहास में करियर के पहले दो मैचों में लगातार दो प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले पहले क्रिकेटर बने।

दिल्ली को दिल्ली के खिलाफ 6 विकेट से मिली हार

मयंक की गैर मौजूदगी में लखनऊ को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शुक्रवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए मैच में 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने आयुष बदोनी के अर्धशतक की मदद से 7 विकेट पर 167 रन का स्कोर खड़ा किया था, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स ने जैक फ्रेजर मैगर्क के आईपीएल डेब्यू पर अर्धशतक की मदद से दिल्ली ने 18.1 ओवर में जीत का लक्ष्य हासिल कर लिया था।

इस योजना में बिना गारंटी लोन मिलता है, जानिए स्कीम की खास बातें

भाजपा का वादा- मुद्रा लोन में अब 20 लाख मिलेंगे

न्यूज क्राइम फाइल

2024 लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने रविवार को अपना संकल्प पत्र जारी किया। इसमें प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के मिलने वाले लोन को 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 20 लाख करने की बात कही गई है। यानी अगर भाजपा सरकार वापस सत्ता में आती है तो योजना के तहत मिलने वाली लोन की रकम को दोगुना किया जाएगा। 2015 में शुरू हुई इस योजना का मकसद रेहड़ी-पटरी वाले से लेकर छोटे कारोबारी को बिना किसी गारंटी (जमानत) के लोन दिया जाता है।

इस योजना में 3 कैटेगरी में दिए जाते हैं लोन

मुद्रा योजना के तहत अभी अपने बिजनेस शुरू करने वाले लोगों को कुल तीन कैटेगरी में लोन दिया जाता है। पहली कैटेगरी है शिशु। इसके तहत लोगों को 50,000 रुपए का लोन मिलता है। दूसरी कैटेगरी है किशोर जिसके तहत 50,000 रुपए से लेकर 5 लाख रुपए तक का लोन दिया जाता है। तीसरी कैटेगरी है तरुण जिसके तहत 5 लाख रुपए से लेकर 10 लाख रुपए तक का लोन दिया जाता है।

लोन लेने के लिए नहीं देनी होती कोई गारंटी

2015 में शुरू हुई इस योजना का मकसद रेहड़ी-पटरी वाले से लेकर छोटे कारोबारी को बिना किसी गारंटी (जमानत) के लोन मुहैया कराना है। कोई भी व्यक्ति जो अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू करना चाहता है, वह इस योजना के तहत लोन ले सकता है। इसके साथ ही अगर कोई अपने मौजूदा व्यवसाय को आगे बढ़ाना चाहता है, तो भी उसे इस योजना के जरिए लोन मिल सकता है।

लोन लेने के लिए बताना होगा बिजनेस प्लान

सबसे पहले आवेदक को एक बिजनेस प्लान तैयार करना होता है। साथ ही लोन के लिए सभी आवश्यक दस्तावेज भी तैयार करने होते हैं। सामान्य दस्तावेजों के साथ बैंक आपसे आपका बिजनेस प्लान, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, भविष्य की आय के अनुमान संबंधी दस्तावेज भी मांगेगा। जिससे उसे आपकी जरूरत की जानकारी हो, साथ ही यह भी अंदाजा लग सके कि आपको लाभ कैसे होगा या लाभ कैसे बढ़ेगा।

कितना देना होगा ब्याज ?

मुद्रा लोन की खास बात यह है कि इसमें कोई निश्चित ब्याज दर नहीं है। अलग-अलग बैंक लोन पर अलग-अलग दर से ब्याज वसूल सकते हैं। ब्याज दर का निर्धारण कारोबार की प्रकृति और उससे जुड़े जोखिम के आधार पर होता है। वैसे आमतौर पर 10 से 12त्न सालाना ब्याज दर रहती है।

कैसे कर सकते हैं मुद्रा लोन के लिए अप्लाय ?

■सबसे पहले आप किस बैंक/वित्तीय संस्थान से लोन लेना चाहते हैं, यह तय कर लें। आवेदक एक से अधिक बैंकों का चयन कर सकता है। बैंक को दस्तावेजों के साथ लोन एप्लिकेशन फॉर्म भरकर जमा करना होगा।

■मुद्रा लोन के लिए आपको आवेदन फॉर्म के साथ निम्न दस्तावेज जमा करने होते हैं। मुद्रा लोन आवेदन, बिजनेस प्लान या प्रोजेक्ट रिपोर्ट, पहचान संबंधी दस्तावेज जैसे पैन कार्ड, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि।

■एक से ज्यादा आवेदकों की स्थिति में पार्टनरशिप संबंधी दस्तावेज (डीड), टैक्स रजिस्ट्रेशन, बिजनेस लाइसेंस आदि। दस्तावेजों की संख्या लोन की राशि, व्यापार की प्रकृति, बैंक नियमों आदि के आधार पर कम या ज्यादा हो सकती है।

■जैसे- निवास के प्रमाण संबंधी दस्तावेज, जैसे टेलीफोन बिल/बिजली बिल आदि। आवेदक की 6 महीने से कम पुरानी तस्वीरें, मशीन या अन्य सामग्री का कोटेशन जिसे खरीदना चाहते हैं, साथ ही जहां से खरीदेंगे उस सप्लायर/दुकानदार के बारे में जानकारी, श्रेणियां (एससी/एसटी/ओबीसी/अल्पसंख्यक), अगर लागू हो तो पिछले दो वर्षों की बैलेंस शीट और प्रोजेक्टेड बैलेंस शीट (दो लाख से ऊपर के लोन पर)।

■मुद्रा लोन के लिए उस सरकारी या किसी अन्य बैंक या वित्तीय संस्थान में आवेदन देना होगा, जो मुद्रा लोन देता हो। आवेदन के लिए आपके कारोबार की पूरी जानकारी/प्लान सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे।

■आवेदन सही पाए जाने पर बैंक या वित्तीय संस्थान मुद्रा लोन पास करेगा और आवेदक को मुद्रा कार्ड (डेबिट कार्ड) प्रदान किया जाएगा। आप इससे अपने हिसाब से खर्च कर सकते हैं।

सिंधिया-दिग्विजय और हिमाद्री चुनावी मैदान में

मोदी की वजह से सिमट रही राजघरानों की सियासत

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश की सियासत में रियासतों का दखल कम हो रहा है। विधानसभा के बाद अब लोकसभा चुनाव में भी यही देखने को मिल रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव में राजपरिवार से ताल्लुक रखने वाले 4 उम्मीदवार मैदान में थे, इस बार केवल तीन चुनाव लड़ रहे हैं। विधानसभा चुनाव के पिछले दो नतीजे देखें तो 2018 में राजपरिवारों से ताल्लुक रखने वाले 14 विधायक चुने गए थे। 2023 में केवल 9 विधायक बने हैं। एमपी में राजपरिवारों की सिमट रही राजनीति को लेकर एक्सपर्ट्स का कहना है कि ऐसा मोदी फैक्टर की वजह से हुआ है। उनके मुताबिक, 10 साल पहले दोनों ही दलों में राजघरानों की अच्छी पकड़ थी, लेकिन अब उनकी ताकत कमजोर हो गई है। कांग्रेस से जुड़े राजघरानों की ताकत तुलनात्मक रूप से ज्यादा कमजोर हो गई है। संडे स्टोरी में पढ़िए, किस तरह से एमपी की राजनीति में राजघरानों का प्रभाव कम हो रहा है।

सिंधिया राजघराने से ज्योतिरादित्य सिंधिया मैदान में

ग्वालियर का सिंधिया राजघराना मध्यप्रदेश की राजनीति का लंबे समय से केंद्र रहा है। सिंधिया रियासत की स्थापना राणोजी सिंधिया ने 1731 में की थी। राजनीति में आने से पहले इस रियासत के आखिरी राजा जीवाजीराव सिंधिया थे। ज्योतिरादित्य सिंधिया, इस राजपरिवार के प्रमुख सदस्य हैं। सिंधिया से पहले उनकी दादी और पिता भी राजनीति में सक्रिय रहे हैं। सिंधिया की दादी विजयाराजे सिंधिया ने पहला चुनाव कांग्रेस से लड़ा था। इसके बाद वे जनसंघ में शामिल हुई और फिर बीजेपी से सांसद चुनी गईं। वे 8 बार सांसद रहीं। पिता माधवराव राव सिंधिया शुरुआत में जनसंघ में रहे, लेकिन बाद में वे कांग्रेस में शामिल हो गए। वे 9 बार सांसद रहे हैं।

पिता के निधन के बाद ज्योतिरादित्य ने कांग्रेस जॉइन की

पिता माधवराव सिंधिया के निधन के बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दादी की बजाय पिता की पार्टी जॉइन की थी। 2004 में वे गुना से पहला उप चुनाव जीते। इसके बाद कांग्रेस के टिकट पर 2004, 2009, 2014 में गुना से सांसद रहे। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में ज्योतिरादित्य सिंधिया को कांग्रेस ने 5वीं बार गुना संसदीय क्षेत्र से मैदान में उतारा था। उनका मुकाबला बीजेपी के उम्मीदवार के पी यादव से हुआ। 4 बार के सांसद रहे सिंधिया 5वीं बार ये चुनाव हार गए। यादव कभी सिंधिया के करीबी और उनके सांसद प्रतिनिधि हुआ करते थे। इसके बाद साल 2020 में सिंधिया ने भाजपा जॉइन कर ली और राज्यसभा सांसद बन गए। इस बार गुना सीट से ज्योतिरादित्य सिंधिया बीजेपी के टिकट पर चुनावी मैदान में है।

शहडोल से हिमाद्री सिंह की मां का राजघराने से कनेक्शन

शहडोल लोकसभा सीट से भाजपा ने मौजूदा सांसद हिमाद्री सिंह को टिकट दिया है। हिमाद्री सिंह की मां राज नंदिनी सिंह राजघराने से ताल्लुक रखती थीं। उनका जन्म छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के बिर्रा गांव में हुआ था। वह बिर्रा के जमींदार दीवान दुर्गेश्वर सिंह और अंबागढ़ चौकी के शाही घराने की राजकुमारी भानु कुमारी देवी की तीसरी संतान थीं। हिमाद्री सिंह का पूरा परिवार कांग्रेस से जुड़ा रहा है। उनकी मां राज नंदिनी सिंह दो बार शहडोल से कांग्रेस के टिकट पर सांसद रह चुकी हैं तो पिता दलवीर सिंह केंद्रीय राज्यमंत्री थे।। मां के निधन के बाद बेटी हिमाद्री ने उनकी विरासत को आगे बढ़ाया।

पहला चुनाव कांग्रेस के टिकट पर लड़ा, बीजेपी से सांसद बनीं

साल 2016 में हिमाद्री सिंह शहडोल लोकसभा के उप चुनाव कांग्रेस के टिकट पर चुनावी मैदान में थी। वह ये चुनाव भाजपा के ज्ञान सिंह से हार गईं। 2019 के लोकसभा चुनाव के पहले वह बीजेपी में शामिल हो गईं और उन्हें जीत मिली। दरअसल, साल 2017 में हिमाद्री सिंह ने भाजपा नेता नरेंद्र मरावी से शादी की। हिमाद्रि ने विवाह के समय कहा था कि कुछ भी हो जाए, कांग्रेस नहीं छोड़ेंगी, राजनीति कभी भी वैवाहिक जिंदगी के बीच नहीं आएगी। मगर, कुछ समय बाद ही वे बीजेपी में शामिल हो गईं। अब हिमाद्री सिंह दूसरी बार शहडोल से बीजेपी की उम्मीदवार है।

कांग्रेस से राघौगढ़ रियासत के दिग्विजय सिंह मैदान में

राघौगढ़ राज्य की स्थापना 1673 में चौहान खिची वंश के राजपूत लाल सिंह ने की थी। उनके बाद इस रियासत में 12 महाराज रहे। 11वें राजा बालभद्र सिंह के बाद 12वें राजा उनके बेटे दिग्विजय सिंह बने। पढ़ाई पूरी करने के बाद दिग्विजय सिंह राजनीति में सक्रिय हुए। 1969 में वे राघौगढ़ नगरनिगम के अध्यक्ष बने। दिग्विजय सिंह 1977 में चुनावी राजनीति में आए और विधायक बने। इसके बाद 1980 में वे दोबारा विधायक चुने गए। उन्होंने संगठन के पद भी अहम भूमिका निभाई। वे मप्र सरकार में राज्यमंत्री और कैबिनेट मंत्री भी रहे। प्रदेश की राजनीति के बाद दिग्विजय सिंह ने केंद्र की राजनीति का रुख किया। वे साल 1984 और 1991 में राजगढ़ से सांसद रहे। 1993 से 2003 तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे।

2019 में भोपाल लोकसभा सीट से हारे

दिग्विजय सिंह ने 2019 का लोकसभा चुनाव भोपाल सीट से लड़ा था। उनके सामने बीजेपी ने साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को मैदान में उतारा। दिग्विजय ये चुनाव हार गए। अब वे एक बार फिर अपने गृह नगर राजगढ़ से कांग्रेस के टिकट पर चुनावी मैदान में हैं। दिग्विजय के बेटे जयवर्धन सिंह और लक्ष्मण सिंह भी राजनीति में सक्रिय हैं। जयवर्धन राघोगढ़ सीट से 3 बार के विधायक हैं। वहीं उनके भाई लक्ष्मण सिंह चाचौड़ा सीट से विधायक रहे। लक्ष्मण सिंह 2023 के विधानसभा चुनाव में चाचौड़ा सीट से हार गए।

2019 के लोकसभा चुनाव में 4 उम्मीदवार मैदान में थे

2019 के लोकसभा चुनाव में राजघरानों से ताल्लुक रखने वाले 4 उम्मीदवार मैदान में थे। इनमें से तीन ज्योतिरादित्य सिंधिया, हिमाद्री सिंह और दिग्विजय सिंह फिर चुनाव लड़ रहे हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पिछला चुनाव कांग्रेस से लड़ा था अब वे बीजेपी से उम्मीदवार हैं। पिछली बार कांग्रेस ने खजुराहो सीट से छतरपुर राजघराने से ताल्लुक रखने वाली कविता सिंह को टिकट दिया था। वे बीजेपी के वीडी शर्मा से ये चुनाव हार गईं। छतरपुर जिले की राजनगर सीट से चार बार के विधायक रह चुके विक्रम सिंह नातीराजा, कविता सिंह के पति हैं। इस बार वे विधानसभा चुनाव हार गए। कविता सिंह भी लगातार 2 बार से खजुराहो नगर परिषद् की अध्यक्ष है।

विधानसभा में राजपरिवारों से 9 विधायक, बीजेपी के 6 एमएलए दोबारा चुने गए

साल 2023 के विधानसभा चुनाव में 17 राजपरिवारों के सदस्य चुनावी मैदान में थे। इनमें से 9 चुनाव जीते और 8 को हार का सामना करना पड़ा। जीतने वाले 9 कैंडिडेट्स में से 6 दोबारा विधायक बने हैं। वहीं 3 कैंडिडेट्स में से दो पिछला चुनाव हार गए थे इस बार फिर जीते हैं। इस बार चुनाव जीतने वाले राज परिवारों में से 6 भाजपा और 3 कांग्रेस से हैं।

अलीपुरा रियासत के कामाख्या प्रताप सिंह पहली बार के विधायक

छतरपुर जिले में अलीपुरा रियासत के वंशज मानवेंद्र सिंह और उनके बेटे कामाख्या प्रताप सिंह राजनीति में सक्रिय हैं। मानवेंद्र 1993 से 2003 तक बिजावर से कांग्रेस विधायक रहे। 2008 में महाराजपुर सीट से निर्दलीय और 2013 में भाजपा की टिकट पर विधायक रहे। अब, मानवेंद्र के बेटे कामाख्या महाराजपुर से पहली बार विधायक का चुनाव जीते हैं।

मकड़ाई रियासत के अभिजीत ने अपने ही चाचा को मात दी

खंडवा जिले की इस रियासत के आखिरी राजा देवी शाह के 4 पुत्र थे। अजय, विजय, धनंजय और संजय शाह। अभिजीत सबसे बड़े बेटे अजय शाह के बेटे हैं। अभिजीत ने अपने चाचा संजय शाह को 2023 के चुनाव में 950 वोट से हराया है। इन दोनों का मुकाबला 2018 में भी हुआ था, तब अभिजीत 2213 वोट से चुनाव हार गए थे।

चुरहट राजघराने से अजय सिंह एक बार फिर चुनाव जीत गए

मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह के बेटे अजय सिंह 1985 में विधायक बने। दिग्विजय सरकार में मंत्री रहे। चुरहट से 6 बार विधायक रहे हैं। 2017 से 2018 तक नेता प्रतिपक्ष रहे हैं। 2018 का चुनाव हार गए थे। इस बार जीत मिली है।

2018 में चुनाव जीते राजपरिवारों के 8 विधायक इस बार विधानसभा चुनाव हार गए

राजपरिवारों से ताल्लुक रखने वाले 8 सदस्य इस बार विधानसभा चुनाव हार गए हैं। इनमें से बीजेपी और कांग्रेस से 4-4 सदस्य हैं।

युवती बोली-बेटा नहीं होने पर ससुराल वाले मारपीट करते, बहन से शादी करना चाहता था पति

पत्नी की हत्या करने आया, चाचा ससुर को मार डाला

न्यूज क्राइम फाइल

गुना में बेटी से दूसरी शादी नहीं कराने पर एक शख्स की हत्या के मामले में सभी आरोपी फरार हैं। मुख्य आरोपी मृतक के बड़े भाई के समधी हैं। दरअसल, हमलावर अपनी पत्नी को मारने आया था, लेकिन चाचा ससुर पर का मर्डर कर दिया। गोपालगढ़ गांव में गुरुवार-शुक्रवार रात भूरा (40) बंजारा पर धनराज बंजारा, उसके बेटे कोमल ने सात-आठ लोगों के साथ सोते समय फायरिंग कर दी। उसे बचाने आई भूरा की बेटी पिंकी पर भी फायरिंग की। इसमें भूरा की मौत हो गई, जबकि पिंकी घायल है। गांव में एक पठार पर 10-15 घरों का डेरा है। कच्चे रास्ते से होते हुए हम वहां पहुंचे। दूसरे छोर पर भूरा बंजारा का अंतिम संस्कार किया जा रहा था। टीम भूरा के घर पहुंची, तो वहां आंगन में महिलाएं गमगीन थीं। भूरा की पत्नी बेसुध थी। आंगन में पेड़ के नीचे रिश्तेदार बैठे थे। भूरा बंजारा 3 भाई हैं। वह सबसे छोटा था। सबसे बड़ा भाई दयाराम और उससे छोटा गंगा बंजारा है। धनराज अपने बेटे कोमल की दूसरी शादी भूरा की बेटी पिंकी से कराना चाहता था, लेकिन भूरा राजी नहीं था।

आधी रात में 4 बाइक से आए, ताबड़तोड़ फायरिंग की

मृतक भूरा के बड़े भाई गंगा बंजारा ने बताया कि %रात 12ः30 बजे चार बाइक घर के बाहर से गुजरीं। वह बड़े भाई दयाराम बंजारा के घर की तरफ गईं। हम समझ गए कि दयाराम के समधी धनराज साथियों के साथ आए हैं। वह हमला कर सकते हैं, क्योंकि उनके साथ पैसों के लेनदेन का भी विवाद चल रहा है। मैंने दयाराम को कॉल कर सतर्क कर दिया। दयाराम ने पड़ोसियों को इकट्ठा कर लिया। इस कारण आरोपी हमला नहीं कर पाए और वापस लौट गए। मेरी मौसी का घर भी पास में ही है। आरोपी रात 2 बजे मौसेरे भाई परसराम के घर भी पहुंचे। उनमें से एक ने उन पर बंदूक तान दी। उससे भूरा के घर का पता पूछा और थप्पड़ मार दिया। शोर सुनकर वे चले गए। कुछ दूर ही मेरा और भूरा का घर है। शोर सुनकर मैं, भूरा और पिंकी परसा के घर की तरफ भागे। रास्ते में समधी धनराज, दामाद कोमल और उसके अन्य साथी मिल गए। ये लोग चार बाइक पर सवार थे। करीब 8-10 लोग होंगे। उन्होंने पहले भूरा पर फायर किया। इससे वह निढाल होकर गिर पड़ा। इसके बाद भूरा की बेटी पिंकी पर भी गोली चला दी। गोली पिंकी के कंधे पर लगी। सभी गाली-गलौज करते हुए भाग गए। मैं बाउंड्री के पीछे छिप गया, तो बच गया। उनके जाने के बाद दोनों को अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने भूरा को मृत घोषित कर दिया।

युवती बोली- ससुराल वाले बेटे के लिए प्रताड़ित करते थे

दयाराम की बड़ी बेटी जशोदा ने बताया, 'मेरी शादी को 7 साल पहले धनराज के बेटे कोमल से परांठ गांव में हुई थी। मैंने दो बेटियों को जन्म दिया। बेटा नहीं होने पर पति रोजाना ताने देता था। कहता था- लड़का नहीं है तेरे को, भगा दूंगा। तुझे नहीं रखूंगा। रोजाना गाली-गलौज और मारपीट करता था। ससुराल वाले भी प्रताड़ित करते थे। मैं बीमार हो रही थी। इलाज भी नहीं कराया। पिछले रविवार पापा मुझे घर ले आए। उन्होंने ही इलाज कराया। वो मुझे ही मारने आए थे, लेकिन चाचा को मार दिया।'

छोटे भाई की बेटी से दूसरी शादी करना चाहते थे

मृतक के बड़े भाई गंगा ने बताया कि आरोपी भूरा की बेटी से उसके लड़के की शादी कराने का दबाव बना रहे थे। उनका कहना था कि जिस लड़की से शादी हुई, उसे बेटा नहीं हो रहा। इसलिए भूरा अपनी बेटी पिंकी से उसकी शादी करा दे। भूरा ने पिंकी की शादी दूसरी जगह तय कर दी थी।

ग्वालियर में मर्डर को हादसा बताने के लिए शव को कार से रौंदा

बीमा के लिए कराई पति की हत्या

न्यूज क्राइम फाइल

ग्वालियर में एक महिला ने 20 लाख रुपए की बीमा पॉलिसी का क्लेम पाने के लिए अपने पति की हत्या की साजिश रची। हत्या को सड़क हादसा दिखाने के लिए प्लानिंग की। प्लान के मुताबिक वह पति, जीजा और उसके साथियों के साथ कार में घूमने निकली। रास्ते में आरोपियों के साथ मिलकर पति का गला घोंट दिया। इसके बाद उसके शव को कार से कई बार रौंदा गया। घटना 3-4 अप्रैल की दरमियानी रात को चीनौर की है। अगले दिन सड़क पर पुलिस को युवक का शव मिला था। पुलिस ने घटना के 9 दिन बाद शनिवार को मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस ने बताया कि मृतक युवक की पत्नी ही इस वारदात की मास्टरमाइंड है। उसने अपने जीजा, जीजा के साढू व दो अन्य दोस्तों के साथ

रामाधार, मृतक

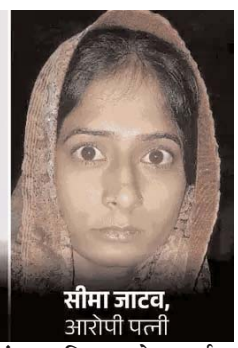
सीमा जाटव, आरोपी पत्नी

मिलकर वारदात को अंजाम दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पुलिस को क्लू मिला था। जिसके बाद आरोपी पत्नी, उसके जीजा, साढू समेत चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एक आरोपी फरार है। ग्वालियर एसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि 4 अप्रैल की सुबह एक युवक का शव चीनौर थाना क्षेत्र के भौरी पुलिया के पास सड़क पर पड़ा मिला था। प्रारंभिक पड़ताल में घटनाक्रम एक्सीडेंट का प्रतीत हो रहा था, लेकिन घटना स्थल पर मृतक के जूते और चप्पल नहीं मिलने से मामले में शंका हुई। इसके साथ ही उसका मोबाइल भी नहीं मिला, जबकि सड़क हादसे में यह सारी चीजें स्पॉट के आसपास ही मिल जाती हैं। पुलिस ने जब छानबीन की तो मृतक की जेब से आधार कार्ड मिल गया। इसके आधार पर उसकी पहचान सुसेरा गांव के रहने वाले रामाधार जाटव के रूप में हुई थी। जांच में पता चला कि युवक की पत्नी से कुछ अनबन चल रही थी। वह शराब पीने का आदी था। मामला उलझा था, मामले की जांच की जिम्मेदारी एएसपी देहात निरंजन शर्मा को दी और इसके बाद पुलिस जांच में जुट गई। पुलिस अभी तक जिसे संदिग्ध सड़क हादसा मान रही थी, असल में पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद पुलिस की जांच की थ्योरी ही बदल गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत थ्रॉटलिंग (गला घोंटकर हत्या) से होना पाई गई। इस पर पुलिस अलर्ट हुई और पुलिस ने मृतक के परिजन व उससे मिलने-जुलने वालों का रिकॉर्ड खंगाला। रिकॉर्ड खंगालने पर मृतक की पत्नी सीमा की भूमिका ही संदिग्ध नजर आई। पुलिस ने जांच की तो पता चला कि मृतक की पत्नी ने कुछ समय पहले ही अपना मकान बेचा है और पति का लाइफ इंश्योरेंस कराया था। जब उसकी कॉल डिटेल निकाली तो कई लोगों से बातचीत होना पाया गया। घटना के समय भी मृतक की पत्नी और उसके साथियों की लोकेशन घटना स्थल पर थी। पुलिस ने शक के आधार पर सबसे पहले सीमा के जीजा सुरेंद्र और उसके साढू नरेंद्र को दबोचा। उन्होंने पूछताछ में बताया कि हम दोनों और अन्य साथियों का सीमा के पास आना जाना था। रामाधार इसका विरोध करता था।

भोपाल में बीजेपी प्रत्याशी ने लगवाए नारे; कांग्रेस ने कहा- ये आचार संहिता का उल्लंघन

जमातखाने में गूंजा मोदी है तो मुमकिन है

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में बोहरा समाज के एक जमातखाने में पीएम मोदी के नाम के नारे लगे हैं। यहां मौजूद लोगों ने मोदी है तो मुमकिन है और अबकी बार 400 पार के नारे लगाए। लोगों के हाथों में मोदी के पोस्टर भी दिखे। इसका वीडियो सामने आया है। वीडियो में भोपाल लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी आलोक शर्मा भी नजर आ रहे हैं। बोहरा समाज के आमिल जौहर अली शाकिर भी दिख रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की। कहा- हम उनकी सफलता की कामना करते हैं। उनसे हमारे घर जैसे रिश्ते हैं। इधर, कांग्रेस ने इसे आचार संहिता का उल्लंघन बताकर कार्रवाई की मांग की है।

बीजेपी प्रत्याशी ने लगवाए मोदी के नारे

वीडियो 12 अप्रैल शुक्रवार का पुराने शहर के जुमेराती इलाके में स्थित दाउदी बोहरा समाज के जमातखाना का बताया जा रहा है। जहां उर्स को लेकर रात करीब 9:30 बजे एक मजलिस (सभा) हुई थी। जिसमें 400 से ज्यादा लोगों की मौजूदगी में बीजेपी प्रत्याशी आलोक शर्मा ने अपनी बात रखी और मोदी के नाम के नारे लगवाए।

बात करने से बच रहे प्रवक्ता

इस वीडियो पर दाऊदी बोहरा समाज के प्रवक्ता इब्राहिम अली दाउदी ने कहा- मैं इस बारे में कोई भी टिप्पणी नहीं कर सकता हूं, बस यह कह सकता हूं वह समाज की मस्जिद नहीं, बल्कि जमातखाना है। मस्जिद लिखकर जिस तरह से मामले को हाई लाइट किया जा रहा है, इससे पूरा बोहरा समाज नाराज है। वहीं, इस मामले में भाजपा प्रत्याशी अलोक शर्मा का कहना है कि बोहरा समाज के लोगों ने उन्हें अलीगंज वाले हॉल में बुलाया था। जो भी है, वीडियो में दिख रहा है।

बीजेपी ने कहा- मस्जिद में गूंजा हर-हर मोदी

बीजेपी के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने ट्वीट करते हुए लिखा कि तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों के मुंह पर तमाचा, मस्जिद में गूंजा हर-हर मोदी, घर-घर मोदी नारा। पीएम मोदी के समर्थन में की जमकर नारेबाजी। भोपाल की अलीगंज मस्जिद में बोहरा समाज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के पोस्टर के साथ लगाया अब की बार 400 पार का नारा। इस दौरान बोहरा समाज के प्रतिनिधियों से मिले बीजेपी के लोकसभा प्रत्याशी आलोक शर्मा। मोदी है तो मुमकिन है।

कांग्रेस ने बताया राजनीति के लिए धर्म का दुरुपयोग

इस मामले में कांग्रेस प्रवक्ता अब्बास हफीज ने कहा कि राजनीति के लिए धर्म का दुरुपयोग करना बीजेपी के नेताओं की आदत में है। भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा मस्जिद में जाकर नमाजियों से बीजेपी और मोदी जी के लिए नारे लगवा रहे हैं। क्या यह आचार संहिता का उल्लंघन नहीं है, मैं पूछना चाहता हूं कि चुनाव आयोग क्या इसमें कार्रवाई नहीं करेगा? अब्बास हफीज ने कहा- जिन बीजेपी के नेताओं को ईदगाह में लोगों से मिलने जाने पर बहुत तकलीफ होती है, जब अलोक शर्मा ने ऐसा किया तो क्या यह दोहरा चरित्र नहीं है। मैं बीजेपी के नेताओं और चुनाव आयोग से भी पूछता हूं कि क्या वह संज्ञान लेंगे।

मंत्री अनुराग ठाकुर बोले- नकुल क्लीन बोल्ड होंगे

छिंदवाड़ा में कहा- उनके लिए छिंदवाड़ा पिकनिक स्पॉट

न्यूज क्राइम फाइल

लोकसभा चुनाव में नकुलनाथ इस बार हिट विकेट या क्लीन बोल्ड होंगे। उनके लिए छिंदवाड़ा पसंदीदा पिकनिक स्पॉट है। चुनाव सिर्फ ईवेंट और सांसद पद जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एंजॉय करने का साधन है। यह कहना है कि केंद्रीय खेल, युवा मामलों और सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर का। अनुराग ठाकुर ने शनिवार को छिंदवाड़ा के पांढुर्णा में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक ली। यहां उन्होंने रोड शो भी किया। उन्होंने तिगांव और मोहखेड़ में लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू के समर्थन में सभा की। इससे पहले, उन्होंने मीडिया से बात की।

नकुलनाथ 5 साल एंजॉय वाले बयान पर पलटवार

4 अप्रैल को छिंदवाड़ा से कांग्रेस प्रत्याशी नकुलनाथ ने

कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा था, 'मैं आपसे 12 दिन मांगता हूं। 12 दिन काम कर लीजिए, इसके बाद 5 साल एंजॉय करेंगे।' इस बयान पर केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने कहा- जब आपका सांसद आपकी आवाज न बने। जुबान बंद रखे। पांच साल केवल एंजॉय करने में लगा दे। उन्होंने कहा- नकुलनाथ छिंदवाड़ा की जनता के भरोसे को हवा में उड़ाकर एंजॉय करते हैं। उनके लिए चुनाव एक इवेंट है। छिंदवाड़ा उनका पसंदीदा पिकनिक स्पॉट है। उनके लिए सांसद पद जिम्मेदारी नहीं एंजॉय का पद है।

ठाकुर बोले- पदों की जिम्मेदारी नहीं जानते

ठाकुर ने कहा- वे (नकुलनाथ) नहीं जानते कि सांसद के ऊपर लोकसभा क्षेत्र की जनता की जिम्मेदारी होती है। सांसद पद लोकसभा क्षेत्र की जनता का भरोसा होता है, जिसे उन्होंने एंजॉय कहकर खो दिया है। इस बार जनता उन्हें एंजॉय करने के लिए सभी पदों और जिम्मेदारी से मुक्त कर देगी। नकुलनाथ कभी क्षेत्र की जनता की आवाज नहीं बन सके।

खेल प्रतिभाओं को उचित प्लेटफॉर्म मिलना जरूरी

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि नरसिंहपुर रोड के चार फाटक रेलवे ब्रिज का विस्तारीकरण की लंबे समय से मांग की जा रही है, जो जल्द पूरी हो जाएगी। कोरोना काल के समय से पांढुर्णा में कुछ ट्रेनों के स्टॉपेज बंद है, जिन्हें फिर शुरू किया जाएगा।

निशा बांगरे ने कांग्रेस से दिया इस्तीफा

लिखा- पार्टी में नारी सम्मान नहीं; भाजपा में शामिल हो सकती हैं पूर्व डिप्टी कलेक्टर

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश का विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए डिप्टी कलेक्टर पद छोड़ने वाली निशा बांगरे ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। वे जल्द ही बीजेपी में शामिल हो सकती है। निशा ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को पत्र भेजकर पार्टी के सभी दायित्वों से मुक्त करने को कहा है। उन्होंने कांग्रेस पर धोखा देने और षड्यंत्र कर चुनाव लड़ने से रोकने का आरोप भी लगाया है। दो पन्नों के पत्र में उन्होंने लिखा, %मैं समझती थी कि कांग्रेस पार्टी से चुनाव लड़कर समाज के शोषित, पीड़ित और वंचित लोगों का प्रतिनिधित्व करूंगी। बाबा साहब के सपनों को साकार कर सकूंगी। लेकिन पिछले 6 महीने से कांग्रेस की नीयत को करीब से आंकलन कर मैंने यह पाया कि कांग्रेस पार्टी ने मुझे धोखा दिया।

लिखा- मेरी योग्यता को ही अयोग्यता बना दिया

पूर्व डिप्टी कलेक्टर ने लिखा, कांग्रेस में नारी सम्मान के लिए कोई स्थान नहीं है। जिसका ताजा उदाहरण लोकसभा चुनाव 2024 में मध्यप्रदेश में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व न मिलना भी है। मैं राजनीति में व्यापक स्तर पर कार्य करना चाहती थी लेकिन कांग्रेस ने मेरी योग्यता को ही अयोग्यता बना दिया। अत: मैं कांग्रेस पार्टी के सभी दायित्वों से मुक्त होना चाहती हूं। अपना पूरा जीवन बाबा साहब के विचारों के प्रचार प्रसार के लिए समर्पित करती रहूंगी।

सरकारी नौकरी में वापसी की भी जता चुकी इच्छा

कांग्रेस ने निशा बांगरे को प्रदेश महामंत्री और मुख्य प्रवक्ता बनाया था। इससे पहले उन्होंने सरकारी नौकरी में वापस आने की इच्छा जताई थी। इसके लिए उन्होंने 3 महीने पहले मुख्य सचिव वीरा राणा को आवेदन भेजा था। अभी तक विभाग की ओर से कोई जवाब नहीं आया है। बांगरे छतरपुर जिले में बतौर डिप्टी कलेक्टर पोस्टेड थीं। छतरपुर जिले के लवकुश नगर में एसडीएम रहते उन्होंने नौकरी छोड़ दी थी। वे बैतूल जिले की आमला सीट से विधानसभा चुनाव लड़ना चाहती थीं। इसी वजह से सरकारी नौकरी से इस्तीफा दिया था। उनका इस्तीफा शासन की ओर से जब तक स्वीकार किया गया, तब तक कांग्रेस ने मनोज मालवे को उम्मीदवार घोषित कर दिया था। ऐसे में वे चुनाव नहीं लड़ पाई थीं।

पहले कहा था- कांग्रेस ने मेरी नौकरी छुड़वाई, टिकट भी नहीं दिया

'कांग्रेस ने मेरी नौकरी छुड़वाई, टिकट भी नहीं दिया। ये मेरे लिए एक धक्का है। मेरे परिवार को लगता है कि मेरे साथ धोखा हुआ है। मुझे भी लगता है कि कहीं न कहीं गलत तो हुआ है। अन्याय हुआ है। अगर समय पर इस्तीफा स्वीकार नहीं करना अन्याय है, तो यह भी एक तरह का अन्याय है। उन्होंने मेरा कॅरियर खराब किया है।'

आग बुझाने दौड़े बाराती, दो कुएं में गिरे, मौत

शादी की रस्म के दौरान आतिशबाजी से खेत में पहुंची थी चिंगारी

न्यूज क्राइम फाइल

रतलाम में आतिशबाजी की चिंगारी से गेहूं के खेत में लगी आग बुझाने दौड़े दो बारातियों की कुएं में गिरने से मौत हो गई। घटना शनिवार रात की है। एक युवक का शव देर रात निकाल लिया गया था, जबकि दूसरे युवक का शव रविवार सुबह मिला है। बताया जा रहा है कि शादी में खेजड़ी (पौधे की डाली) रस्म के दौरान बारातियों ने आतिशबाजी की थी, जिसकी चिंगारी से खेत में आग लग गई। आग बुझाने के लिए बारातियों ने दौड़ लगाई। अंधेरा होने से युवकों को कुआं नजर नहीं आया, जिससे दोनों उसमें समा गए। दोनों युवक कीचड़ में फंस गए।

ग्रामीणों ने रस्सी से एक शव को बाहर निकाला

सैलाना के भैंसाडाबर गांव में शनिवार को आदिवासी समाज में शादी थी। गोविंद डिंडोर की बारात पिपलौदा तहसील के गांव बड़ौदा से बद्रीलाल निनामा के घर जा रही थी। गांव से कुछ दूरी पर बारात रोककर दूल्हे से खेजड़ी काटने की रस्म निभाई जा रही थी। इस दौरान हादसा हो गया। बारातियों ने तुरंत 100 डायल को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने पर बारातियों व ग्रामीणों ने

रस्सी के सहारे कुएं में उतरकर अजय बामनिया (24) को बाहर निकाला। एम्बुलेंस से उसे तुरंत सैलाना अस्पताल भेजा गया। अजय के सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। जबकि विनोद निंबड़वा (24) के शव के लिए काफी देर तक सर्चिंग चली। सैलाना थाना प्रभारी अयुब खान ने देर रात रतलाम से एसडीआरएफ (आपदा प्रबंधन टीम) को बुलाया।

क्रेन छोटी पड़ गई, कुएं में उतरकर दूसरा शव निकाला

थाना प्रभारी ने बताया कि कुआं करीब 70 से 80 फीट गहरा था। इसकी बनावट भी अजीब है। कुआं ऊपर से चौड़ा है तो नीचे संकरा है। ऊपर पानी और नीचे कीचड़ था। ऐसे में युवक को तलाशने में काफी दिक्कत आ रही थी। रात में ही क्रेन मंगाई गई। लेकिन वह भी छोटी पड़ गई। सुबह उजाला होने के बाद विनोद का शव किचड़ में फंसा दिखा। रस्सियों के सहारे एसडीआरएफ के जवान कुएं में उतरे। सुबह करीब 9 बजे शव को निकाला जा सका।

अजय और विनोद दोनों शादीशुदा थे

मृतक अजय बड़ौदा गांव के सरपंच अनिल बामनिया का छोटा भाई है। उसकी शादी दो साल पहले हुई थी। विनोद की शादी एक साल पहले हुई थी।

भाजपा के घोषणा पत्र में यूसीसी का वादा

70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को 5 लाख तक मुफ्त इलाज

संदीप कुमार सिंह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली स्थित पार्टी दफ्तर में 2024 लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा का मेनिफेस्टो जारी किया। इसे भाजपा का संकल्प-मोदी की गारंटी नाम दिया गया है। मोदी के साथ मंच पर जेपी नडडा, राजनाथ सिंह, अमित शाह और निर्मला सीतारमण मौजूद थे। संकल्प पत्र की पहली कॉपी गुजरात, हरियाणा और छत्तीसगढ़ से आए तीन लोगों को दिया गया। ये वो लोग थें, जिन्हें मोदी सरकार की पिछली किसी न किसी योजना का फायदा मिला। पार्टी ने पिछले 10 साल के वादों और उन्हें पूरा करने पर बना एक वीडियो भी जारी किया। पार्टी अध्यक्ष नड्डा, संकल्प पत्र कमेटी के अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने अपनी बातें रखीं। इसके बाद प्रधानमंत्री मंच पर आए। 46 मिनट की स्पीच में पिछले 10 साल के कामकाज का लेखा-जोखा देते हुए धारा 370, महिला आरक्षण का जिक्र किया, जिसे पूरा कर दिया गया है। इसके बाद मोदी ने 2024 की गारंटी यानी वादे गिनाए। इसमें 70 साल की उम्र से ऊपर के किसी भी वर्ग के बुजुर्गों को आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज, 3 करोड़ लोगों को मकान, गरीबों को मुफ्त राशन 2029 तक देने की गारंटी दी। प्रधानमंत्री ने कहा- 4 जून को नतीजे आने के तुरंत बाद बीजेपी के संकल्प पत्र पर काम शुरू हो जाएगा। सरकार ने 100 दिन की कार्ययोजना पर पहले ही काम शुरू कर दिया है। देश की जनता की महत्वाकांक्षा ही मोदी का मिशन है।

गरीब को लूटने वाले जेल जा रहे हैं

पिछले 10 साल में भ्रष्टाचार पर भाजपा सरकार ने कितनी बड़ी कड़ी कार्रवाई की है। भ्रष्टाचार गरीब, मध्यमवर्ग का हक छीनता है। हजारों करोड़ के घोटाले बंद हुए हैं और गरीब को हक मिल रहा है। गरीब को लूटने वाले जेल जा रहे हैं। निरंतर सख्त कार्रवाई होती रहेगी, ये मोदी की गारंटी है। लाल किले से कहा था कि यही समय है-सही समय है। आने वाले एक हजार वर्षो के लिए भारत के भविष्य को तय करने वाला ये उत्तम से उत्तम अवसर है, उत्तम से उत्तम समय है। भाजपा के संकल्प पत्र पर 4 जून के नतीजे के बाद तुरंत तेजी से काम शुरू हो जाएगा। सरकार पहले ही 100 दिन के एक्शन पर काम कर रही है। 140 करोड़ लोगों की अपनी एम्बिशन मोदी का मिशन है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम और 370 को हटाया

आज आपने देखा कि भाजपा का ये संकल्प पत्र ऐसी ही एक सरकार की गारंटी देता है। विश्व बंधु के तौर पर मानवता के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। भाजपा देश हित में बड़े और कड़े निर्णय लेने से कभी पीछे नहीं हटती। हमारे लिए दल से बड़ा देश है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम अब कानून बन चुका है। 370 को हटाया और ट्रिपल तलाक लेकर आए। रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के मंत्र पर और तेजी से आगे बढ़ेंगे। गुड गवर्नेंस, डिजिटल गवर्नेंस और डेटा गवर्नेंस के लिए देश में आवश्यक इन्फ्रास्ट्रक्चर्स तैयार होंगे। वन नेशन और वन इलेक्शन को साकार करने का संकल्प लेकर आगे बढ़ेंगे। यूनिफॉर्म सिविल कोड को भी हम देश हित के लिए जरूरी समझते हैं।

स्पेस में बड़ी ताकत के रूप में उभरेंगे

स्पेस में बड़ी ताकत के रूप में उभरेंगे। रोडमैप से आगे बढ़ेंगे। ये भारत के यूथ के लिए इतनी सारी ऑपर्च्यूनिटीज लेकर आएगा, जिसकी कल्पना भी नहीं होगी। विश्व में अनिश्चितता है, युद्ध के हालात हैं, तनाव है। संकट के ऐसे समय में इन क्षेत्रों में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा प्राथमिकता है। जब दुनिया में इतने तनाव और तूफान हो, तब भारत में एक मजबूत पूर्ण बहुमत वाली स्थिर सरकार की आवश्यकता बढ़ जाती है। ऐसी सरकार जो देश को आर्थिक समृद्धि दे, विकसित भारत की ओर ले जाए और भाजपा संकल्पबद्ध है।

भारत को दुनिया के हर उभरते सेक्टर का ग्लोबल हब बनाने का संकल्प

भारत को दुनिया के हर उभरते सेक्टर का ग्लोबल हब बनाने का संकल्प है। वो समय दूर नहीं जब भारत दुनिया का ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रॉनिक, ऑटोमोबाइल, सेमी कंडक्टर, कॉन्ट्रेक्टिंग, कॉमर्शियल हब होगा। दुनिया के बड़े-बड़े इकोनॉमी सेंटर भारत में होंगे। भारत ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स, ग्लोबल टेक्नोलॉजी सेंटर और ग्लोबल इंजीनियरिंग सेक्टर का हब बनेगा।

पूरे देश में चार्जिंग स्टेशन और इन्फ्रास्ट्रक्चर बढ़ाए जा रहे हैं

देश में इलेक्ट्रिक व्हीकल का मार्केट बढ़ रहा है। 10 साल पहले एक साल में 2000 गाड़ियां बिकी थीं। पिछले साल 17 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक गाड़ियां बिकी हैं। पूरे देश में चार्जिंग स्टेशन और इन्फ्रास्ट्रक्चर बढ़ाए जा रहे हैं। पीएम सूर्य घर से जोड़कर चार्जिंग स्टेशन की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इससे भी देश में रोजगार की संभावनाएं बनने जा रही हैं।

रिन्यूएबल एनर्जी, गोवर्धन, बायो फ्यूल, ग्रीन एनर्जी जैसे सेक्टर्स में तेजी लाएंगे

भाजपा का संकल्प पत्र देश को आत्मनिर्भरता की तरफ ले जाने वाला है। डिफेंस, एडिबल ऑयल, एनर्जी इम्पोट... 'भारत कब तक दूसरे देशों पर निर्भर रहेगा। आज एनर्जी को इम्पोर्ट करने के लिए लाखों करोड़ का फॉरेन एक्सचेंज खर्च करते हैं। भारत का फोकस ग्रीन एनर्जी और एनर्जी प्रोडक्शन पर है। रिन्यूएबल एनर्जी, गोवर्धन, बायो फ्यूल, ग्रीन एनर्जी जैसे सेक्टर्स में तेजी लाएंगे। इससे देश में ग्रीन जॉब्स पैदा होंगे।

वंदे भारत का विस्तार करेंगे, देश के चारों कोने में बुलेट ट्रेन चलाए जाएंगे

वंदे भारत का विस्तार करेंगे। वंदे भारत के 3 मॉडल चलेंगे। वंदे भारत स्लीपर, वंदे भारत चेयरकार और वंदे भारत मेट्रो। अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन का काम पूर्ण हो रहा है। उसी तरह से आने वाले समय में उत्तर भारत में एक बुलेट ट्रेन, दक्षिण में एक बुलेट ट्रेन और पूर्वी भारत में एक बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट चलाएंगे।

एविएशन सेक्टर पर जोर

एविएशन सेक्टर पर भी जोर है। एक हजार से ज्यादा नए विमान का ऑर्डर दिया है। अपने साथ रोजगार की संभावनाएं लाएंगे। ये सेक्टर छोटे शहरों में रहने वाले युवाओं के लिए ड्रीम सेक्टर बनेंगे।

सैटेलाइट टाउन बनाएंगे

इनका मजबूती से विस्तार पुरानी सोच से अलग है। स्केल और स्पीड इतनी बढ़ेगी कि स्कोप भी बढ़ जाएगी। ये प्राथमिकता है। अर्बनाइजेशन शहरीकरण को पहले की सरकारें चुनौती माना करती थीं। भाजपा उसमें अवसर देखती है। सैटेलाइट टाउन बनाएंगे, जो रोजगार के अवसर बढ़ाएंगे।

सोशल, फिजिकल और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करेंगे

21वीं सदी के भारत की बुनियाद के लिए भाजपा 3 इन्फ्रास्ट्रकचर्स से मजबूत करेगी। सोशल, डिजिटल और फिजिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर। सोशल- नए इंस्टिट्यूट, मेडिकल कॉलेज, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, कॉलेज, ट्रक ड्राइवर्स के लिए हाईवे के पास रेस्ट के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर्स डेवलप करने जा रहे हैं। फिजिकल- हाईवे, रेलवे, एयरवे, वाटरवे को आधुनिक बना रहे हैं। डिजिटल- 5 जी विस्तार, 6 जी पर काम, इंडस्ट्री 4.0 के लिए डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम कर रहे हैं, सर्विसेस को ऑनलाइन कर रहे हैं। हृहष्ट्ट और टेली मेडिसिन का विस्तार कर रहे हैं।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623